Sum Up

सार संक्षेप

संक्षेप

स्तर	संबंध	विस्तार
4b. अस्तित्व	सह–अस्तित्व	व्यावक में संपृक्त इकाइयां
4a. प्रकृति	परस्पर पूरकता	चार अवस्थाओं में
3. समाज	समाधान, समृद्धि, अभय (विश्वास), सह–अस्तित्व	मानव–प्रकृति समग्र संबंध, प्रकृतिक नियम मानवीय व्यवस्था के पाँच आयाम दस सोपान
2. परिवार	सह–अस्तित्व का भाव विश्वास,सम्मान... प्रेम	मानव–मानव संबंध न्याय
1b. मानव	मैं और शरीर का सह–अस्तित्व	मैं में संयम शरीर में स्वास्थ्य
1a. मैं	निरंतर सुख = सुख, शान्ति, सन्तोष,आनन्द	सह–अस्तित्व का अनुभव व्यवस्था का बोध, व्यवस्था में भागीदारी का चिन्तन – इसके अर्थ में इच्छा निश्चित होना। संबंध, व्यवस्था का विचार, व्यव्हार, कार्य, व्यवस्था में भागीदारी

Role of Education-Sanskar: Enable Transformation

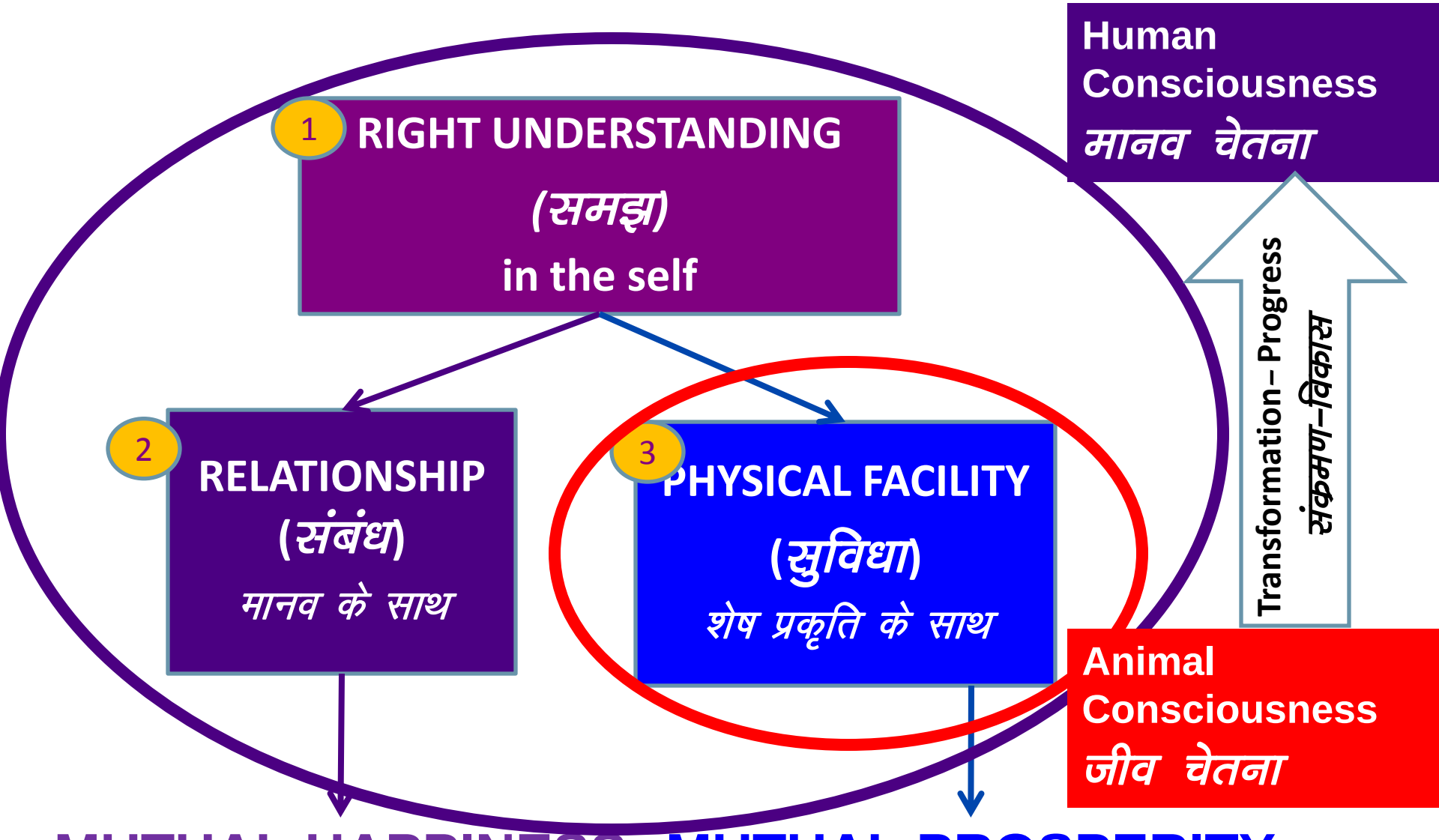

Role of Education-Sanskar: Enable Transformation

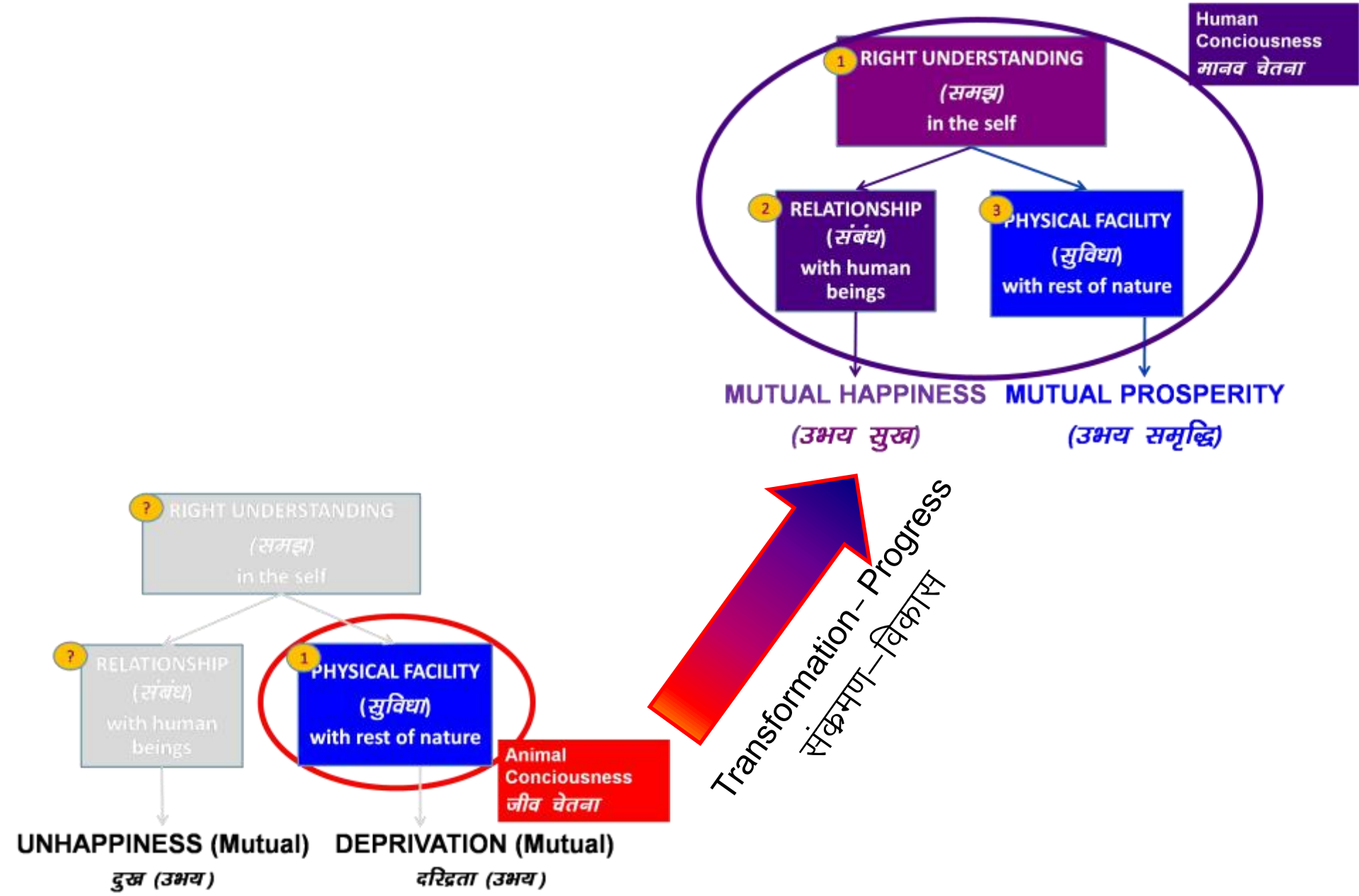

Role of Education-Sanskar: Enable Transformation

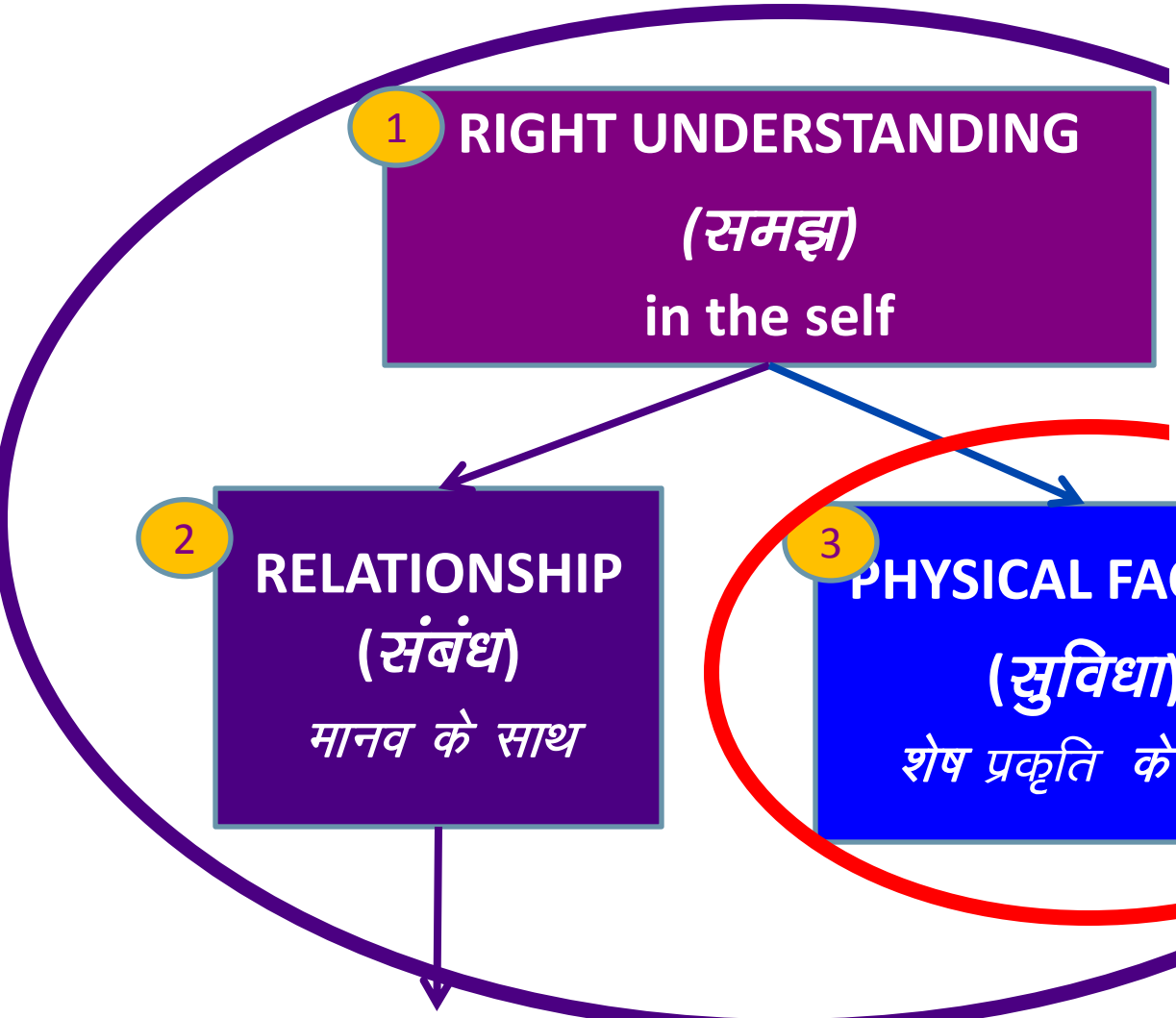

व्यवस्था को समझना

1. मानव में व्यवस्था
2. परिवार में व्यवस्था
3. समाज में व्यवस्था
4. प्रकृति/अस्तित्व में व्यवस्था

व्यवस्था में जीना

मानव के साथ

परिवार में

समाज में

प्रकृति/अस्तित्व में

MUTUAL HAPPINESS (उभय सुख)

MUTUAL PROSPERITY (उभय समृद्धि)

मानव चेतना
1
समझ
– स्वयं में
स्वयं से ले कर संपूर्ण अस्तित्व
की व्यवस्था को समझना
2
संबंध में न्याय
– मानव के साथ
परिवार से विश्व
परिवार तक
3
व्यवस्था में भागीदारी
– प्रकृति समग्र के साथ
परिवार व्यवस्था से विश्व
परिवार व्यवस्था तक
उभय सुख
अखण्ड समाज
मानव लक्ष्य की पूर्ति
सार्वभौम मानवीय व्यवस्था

स्वयं में अध्ययन

1. अध्ययन वस्तु:

   a. चाहना - लक्ष्य — सुख, समृद्धि → निरंतरता

   b. करना - कार्यक्रम — सुख = संगीत में, व्यवस्था में जीना

↓

व्यवस्था को समझना, व्यवस्था में जीना

1. मानव में व्यवस्था
2. परिवार में व्यवस्था
3. समाज में व्यवस्था
4. प्रकृति/अस्तित्व में व्यवस्था

2. अध्ययन विधि

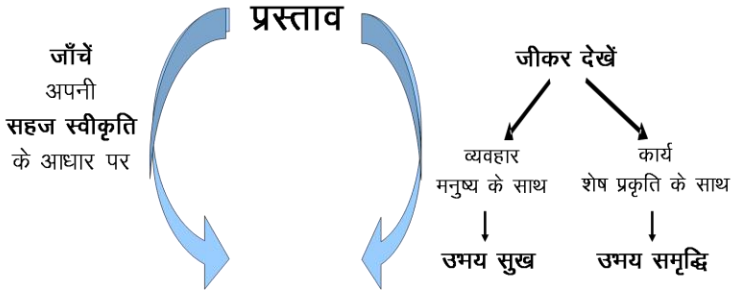

अध्ययन विधि

जो भी कहा जा रहा है– प्रस्ताव है– मानें नहीं

जॉचें– स्वयं के अधिकार पर

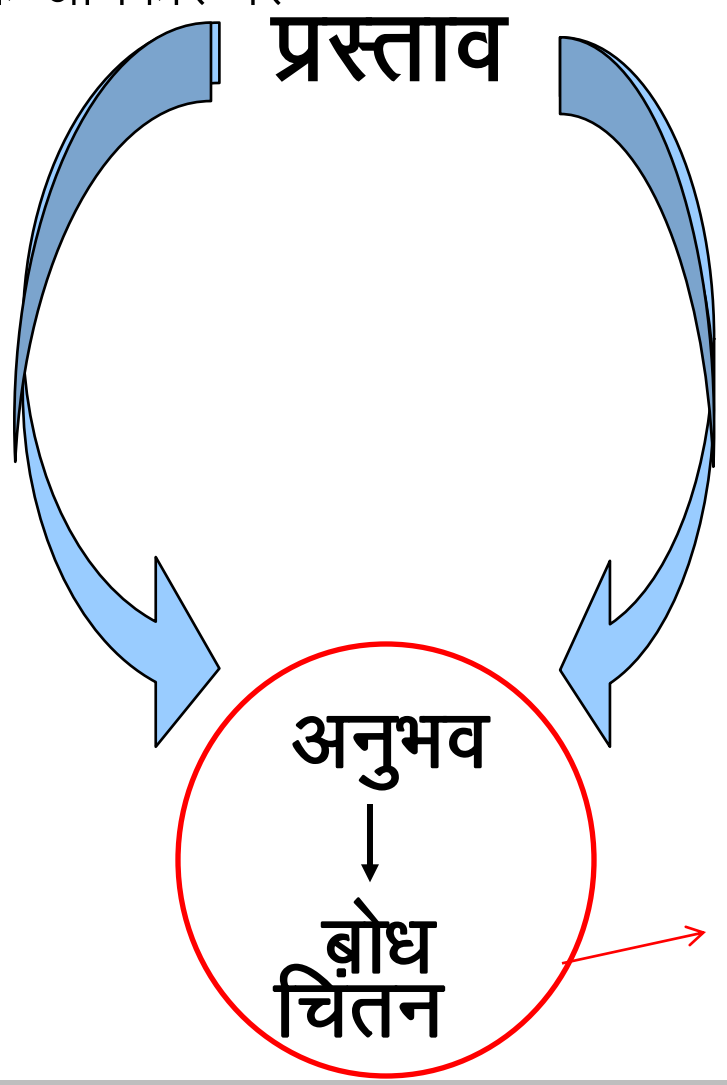

सुख

मैं जिस भी स्थिति – परिस्थिति में जीता हूँ,

अगर उसमें संगीत है, व्यवस्था है,

ते ऐसा जीना मुझे सहज स्वीकार्य होता है।

इस स्वीकृति के भाव में जीना सुख है।

संगीत में, व्यवस्था में जीना सुख है।

निरंतर सुख

जीने के स्तर (जीने के फैलाव):

1. स्वयं में (व्यक्ति) – मानव
2. परिवार में
3. समाज में
4. प्रकृति / अस्तित्व में

निरंतर सुख = हर स्तर पर व्यवस्था को समझना, व्यवस्था में जीना

1. मानव में व्यवस्था
2. परिवार में व्यवस्था
3. समाज में व्यवस्था
4. प्रकृति/अस्तित्व में व्यवस्था

To facilitate understanding of the Harmony at all levels of our Being

1. मानव में व्यवस्था
2. परिवार में व्यवस्था
3. समाज में व्यवस्था
4. प्रकृति/अस्तित्व में व्यवस्था

प्रस्ताव

व्यवस्था में जीना

1. मानव में
2. परिवार में
3. समाज में
4. प्रकृति/अस्तित्व में

1 जॉचना–
सहज स्वीकृति के आधार पर

2 जीकर देखें

↓

अनुभव/बोध

स्वत्व, स्वतंत्रता, स्वराज्य

स्वत्व (मानव का)

ज्ञान और समाधानपूर्वक होना – निरंतर सुखपूर्वक होना

⇩

स्वतंत्रता

ज्ञान और समाधानपूर्वक जीना

न्यायपूर्ण व्यवहार (मानव के साथ)
(परिवार से विश्व परिवार तक)

समग्र व्यवस्था में भागीदारी
(परिवार व्यवस्था से विश्व परिवार व्यवस्था तक)

⇩ ⇩

अखण्ड समाज — सार्वभौम व्यवस्था

↑

स्वराज्य

- स्वत्व को पहचानने का सहज प्रतिफल = स्वतंत्रतापूर्वक जीना
- स्वतंत्रतापूर्वक जीने का सहज प्रतिफल = अखण्ड समाज और सार्वभौम व्यवस्था
  = स्वराज्य (स्वयं का वैभव–फैलाव) में व्यवस्थापूर्वक जीना

Human Being मानव	Self (I) मैं	Co-existence सहअस्तित्व	Body शरीर
Need आवश्यकता	**Happiness (e.g. Respect)** सुख (जैसे सम्मान)		**Physical Facility (e.g. Food)** सुविधा (जैसे भोजन)
In Time काल में	**Continuous** निरन्तर		**Temporary** सामयिक
In Quantity मात्रा में	**Qualitative (is Feeling)** गुणात्मक (भाव है)		**Quantitative (Required in Limited Quantity)** मात्रात्मक (सीमित मात्रा में)
Fulfilled By पूर्ति के लिए	**Right Understanding & Right Feeling** सही समझ, सही भाव		**Physio-chemical Things** भौतिक–रासायनिक वस्तु
Activity क्रिया	**Desire, Thought, Expectation…** इच्छा, विचार, आशा…		**Eating, Walking…** खाना, चलना…
In Time काल में	**Continuous** निरन्तर		**Temporary** सामयिक
Type प्रकार	**Knowing, Assuming, Recognising, Fulfilling** जानना, मानना, पहचानना, निर्वाह करना		**Recognising, Fulfilling** पहचानना, निर्वाह करना
	Consciousness चैतन्य		**Material** जड

Activities of Self (I) मैं की क्रियायें

Force / Power बल / शक्ति	Activity क्रिया
1.	
2.	
3. Desire इच्छा	
4. Thought विचार	
5. Expectation आशा	

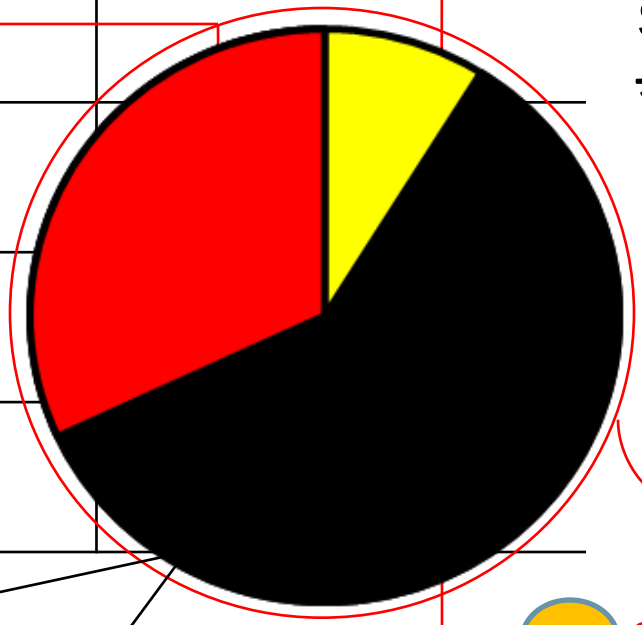

जॉचना– सहज स्वीकृति के आघार पर

3 (चाहना)

Swatantrata

स्वतंत्रता √

Preconditioning 1

मान्यता

Partantrata

परतंत्रता X

Imagination

कल्पनाशीलता

2 Sensation

स्वेदना

Body शरीर

Behaviour व्यवहार

Work कार्य

Partantrata परतंत्रता X

Activities of Self (I) मैं की क्रियायें

Space शून्य

Self (I) मैं

Force / Power बल / शक्ति	Activity क्रिया	Natural Acceptance सहज स्वीकृति
1.	Realization अनुभव	Co-existence सह–अस्तित्व
2.	Understanding बोध	Harmony in Nature व्यवस्था
3. Desire इच्छा	Imaging चित्रण	Participation in Larger Order व्यवस्था में मगीदारी
4. Thought विचार	Analysing विश्लेषण	
5. Expectation आशा	Selecting/Tasting चयन / आस्वादन	

Contemplation चिंतन

Body शरीर — Behaviour व्यवहार — Work कार्य — Participation भागीदारी

Other दूसरा — Human मानव — Rest of Nature मनुष्येत्तर प्रकृति — in larger Order व्यवस्था में

स्वत्व, स्ततंत्रता, स्वराज्य

Space शून्य

Self (I) मैं

	Force / Power बल / शक्ति	Activity क्रिया	Natural Acceptance सहज स्वीकृति
1.		Realization अनुभव	Co-existence सह–अस्तित्व
2.		Understanding बोध	Harmony in Nature व्यवस्था
3.	Desire इच्छा	Imaging चित्रण ← Contemplation चिन्तन	Participation in Larger Order व्यवस्था में भगीदारी
4.	Thought विचार	Analysing विश्लेषण	
5.	Expectation आशा	Selecting/Tasting चयन / आस्वादन	

Continuous Happiness निरंतर सुख

आनंन्द Bliss
संतोष Satisfaction/ Contentment
शांन्ति Peace
सुख Happiness

Body शरीर	Behaviour व्यवहार	Work कार्य	Participation भागीदारी
Other दूसरा	Human मानव	Rest of Nature मनुष्येत्तर प्रकृति	in larger Order व्यवस्था में
	↓	↓	↓
	Mutual Happiness उभय सुख	Mutual Prosperity उभय समृद्धि	Fulfillment of Human Goal मनव लक्ष्य की पूर्ति
	↓		↓
	Undivided Human Society अखण्ड मानवीय समाज		Universal Human Order सार्वभौम मानवीय व्यवस्था

Human Tradition मानवीय परंपरा

स्वत्व, स्ततंत्रता, स्वराज्य

Space शून्य

Self (I) मैं

	Force / Power बल / शक्ति	Activity क्रिया	Natural Acceptance सहज स्वीकृति
1.		Realization अनुभव	Co-existence सह–अस्तित्व
2.		Understanding बोध	Harmony in Nature व्यवस्था
3.	Desire इच्छा	Imaging चित्रण	Participation in Larger Order व्यवस्था में भगीदारी
4.	Thought विचार	Analysing विश्लेषण	
5.	Expectation आशा	Selecting/Tasting चयन / आस्वादन	

Contemplation चिन्तन

Body शरीर — Behaviour व्यवहार — Work कार्य — Participation भागीदारी

Other दूसरा — Human मानव — Rest of Nature मनुष्येत्तर प्रकृति — in larger Order व्यवस्था में

↓ ↓ ↓

Mutual Happiness उभय सुख — Mutual Prosperity उभय समृद्धि — Fulfillment of Human Goal मनव लक्ष्य की पूर्ति

↓ ↓

Undivided Human Society अखण्ड मानवीय समाज — Universal Human Order सार्वभौम मानवीय व्यवस्था

Human Tradition मानवीय परंपरा

Realisation of Co-existence & it's expression – Universal Human Order

Space शून्य

Self (I) मैं

Power शक्ति	Dynamic Activity गति क्रिया	State Activity स्तिथि क्रिया	
1.	Authentication प्रमाण	Realization अनुभव (B1)	Co-existence सह–अस्तित्व
2.	Determination संकल्प	Understanding बोध	Harmony in Nature व्यवस्था, पूरकता
3. Desire इच्छा	Imaging चित्रण	Contemplation चिंतन	Participation in Larger Order व्यवस्था में भागीदारी
4. Thought विचार	Analysing विश्लेषण	Comparing तुलन (B2)	Justice, Innateness, Co-existence Restrained Senses…
5. Expectation आशा	Selecting चयन	Tasting आस्वादन	Goal, Value Restrained Sensation

Body शरीर — Behaviour व्यवहार | Work कार्य | Participation भागीदारी

Other दूसरा — Human मानव | Rest of Nature मनुष्येत्तर प्रकृति | in larger Order व्यवस्था में

Mutual Happiness उभय सुख → Undivided Human Society अखण्ड मानवीय समाज

Mutual Prosperity उभय समृद्धि

Fulfillment of Human Goal मनव लक्ष्य की पूर्ति → Universal Human Order सार्वभौम मानवीय व्यवस्था

Human Tradition मानवीय परंपरा

परिवार में व्यवस्था – न्याय – परिवार से विश्व परिवार तक (अखण्ड समाज)

1. संबंध है– मैं का मैं से – स्वीकृति की निरंतरत बिना किसी शर्त के
2. संबंध में भाव है– एक मैं की दूसरे मैं के प्रति
3. इन भावों को पहचाना जा सकता है– निश्चित हैं 9 – स्वयं में इन भावों की सुनिश्चितता – निरंतरता, बिना किसी शर्त के
4. इन भावों के निर्वाह एवं मूल्यांकन से उभय सुख होता है – संबंध में जिम्मेदारीपूर्वक सभी भावों का निर्वाह (बिना दूसरे से प्रभावित हुए/बिना प्रतिक्रिया किये)

संबंध में भाव:

1. Trust विश्वास आधार मूल्य
2. Respect सम्मान
3. Affection स्नेह
4. Care ममता
5. Guidance वात्सल्य
6. Reverence श्रद्धा
7. Glory गौरव
8. Gratitude कृतज्ञता
9. Love प्रेम पूर्ण मूल्य

न्याय=मानव–मानव संबंध की पहचान, निर्वाह, मूल्यांकन, उभय सुख

सहज स्वीकृति न्याय के लिए – परिवार से विश्व परिवार तक

सहज स्वीकृति अखण्ड समाज के लिए

Human Target (मानव लक्ष्य**)**

समाधान	समृद्धि	अभय (विश्वास)	सहअस्तित्व
⬇	⬇	⬇	⬇
हर व्यक्ति में	हर परिवार में	समाज में	प्रकृति/अस्तित्व में

Five Dimensions of Human Order (मानवीय व्यवस्था – पाँच आयाम)

1. Education – Sanskar - शिक्षा संस्कार
2. Health – Sanyam - स्वास्थ्य संयम
3. Production – Work - उत्पादन कार्य
4. Justice – Suraksha - न्याय सुरक्षा
5. Exchange – Storage - विनिमय कोष

Ten Steps (दस सोपान) **– From Family Order to World Family Order**

Family – Family cluster – Village – Village cluster ... Nation ... World Family

~10^1 **~10^2** **~10^{10}**

Harmony in Nature प्रकृति में व्यवस्था

ORDERS 4 अवस्था	UNITS इकाई	ACTIVITY क्रिया	INNATENESS धारणा (Self-organisation)	NATURAL CHARACTERISTIC स्वभाव (Participation)	INHERITANCE अनुषंगीयता
Physical पदार्थ	**Soil, Metal** मिट्टी, धातु	**Composition-Decomposition** रचना–विरचना	**Existence** अस्तित्व	**Composition-Decomposition** संगठन–विघटन	**Constitution based** परिणाम अनुषंगी
Pranic प्राण	**Plants, Trees** पेड़, पौधे	**"-" + Respiration** श्वसन–प्रश्वसन	**" + Growth** पुष्टि	**" + Nurture-Worsen** सारक–मारक	**Seed based** बीज अनुषंगी
Animal जीव	**Animals, Birds** पशु, पक्षी	**"-", " in Body** शरीर में **Selecting/Tasting in I** चयन/आस्वादन मैं में	**", " in Body** शरीर में **Will to live in I** मैं में जीने की आशा	**", " in body** शरीर में **Cruelty, Non-cruelty in I** मैं में क्रूरता, अक्रूरता	**Breed based** वंश अनुषंगी
Human ज्ञान	**Human Beings** मनुष्य	**"-", " in Body** शरीर में **Imaging, Analysing, Selecting/Tasting in I** चित्रण, विशलेशण, चयन/आस्वादन मैं में **Potential for Understanding in I** समझने की क्षमता मैं में	**", " in Body** शरीर में **Will to live with continuous happiness in I** मैं में निरंतर सुखपूर्वक जीने की आशा ↑ Right Feeling & Thought समाधान ↑ Knowledge ज्ञान	**", " in body** शरीर में **Perseverance, Bravity, Generosity in I** मैं में धीरता, वीरता, उदारता	**Education-Sanskar based** शिक्षा–संस्कार अनुषंगी

Natural Characteristic: Participation in larger order

Role of Education-Sanskar शिक्षा–संस्कार की भूमिका

ORDERS 4 अवस्था	UNITS इकाई	ACTIVITY क्रिया	INNATENESS धारणा (Self-organisation)	NATURAL CHARACTERISTIC स्वभाव (Participation)	INHERITANCE अनुषंगीयता
Physical पदार्थ	**Soil, Metal** मिट्टी, धातु	**Composition-Decomposition** रचना–विरचना	**Existence** अस्तित्व	**Composition-Decomposition** संगठन–विघटन	**Constitution based** परिणाम अनुषंगी
Pranic प्राण	**Plants, Trees** पेड़, पौधे	**"-" + Respiration** श्वसन–प्रश्वसन	**" + Growth** पुष्टि	**" + Nurture-Worsen** सारक–मारक	**Seed based** बीज अनुषंगी
Animal जीव	**Animals, Birds** पशु, पक्षी	**"-", " in Body** शरीर में **Selecting/Tasting in I** चयन/आस्वादन मैं में	**", " in Body** शरीर में **Will to live in I** मैं में जीने की आशा	**", " in body** शरीर में **Cruelty-Non cruelty in I**	**Breed based** वंश अनुषंगी
Human ज्ञान	**Human Beings** मनुष्य	**"-", " in Body** शरीर में **Imaging, Analysing, Selecting/Tasting in I** चित्रण, विशलेशण, चयन/आस्वादन मैं में **Potential for Understanding in I** समझने की क्षमता मैं में	**", " in Body** शरीर में **Will to live with continuous happiness in I** मैं में निरंतर सुखपूर्वक जी की आशा ↑ Right Feeling & Thought समाधान ↑ Knowledge ज्ञान	**...ance, Brav...** मैं में धी...	**...ion- ...r based** ...कार अनुषंगी

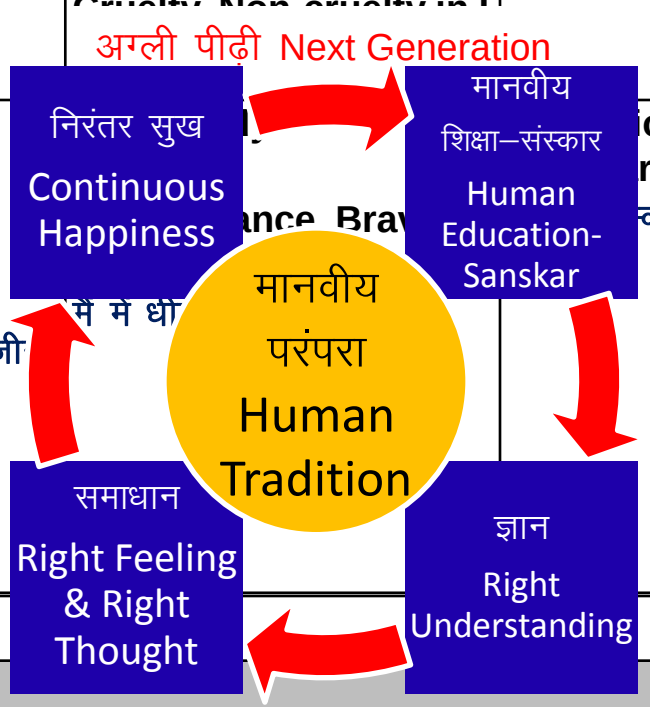

Natural Characteristic: Participation in larger order

Harmony in Existence अस्तित्व में व्यवस्था

Existence अस्तित्व = **CO-EXISTENCE सह–अस्तित्व**

Units	Submerged in	Space
इकाइयां	संपृक्त	शून्य (All Pervading, व्यापक)
Limited in Size सीमित आकार		Unlimited असीम
Activity, Active क्रिया, क्रियाशील		No Activity क्रियाशून्य (शून्य)

1. Energised (ऊर्जित) in Space
2. Self Organised (नियंत्रित, स्वयं में व्यवस्था है) in Space
3. Recognises it's relationship & Fulfills it with every other Unit in Space

(परस्परता को पहचानती है, निर्वाह करती है

बडी व्यवस्था में भागीदार है, समग्र व्यवस्था में भागीदार है)

Gist

स्तर	स्थिति	गति
अस्तित्व	सह– अस्तित्व	सार्वभौम व्यवस्था
मानव	अनुभव	प्रमाण
परस्परता में	प्रेम, करूणा	अखण्ड समाज

Level	**State**	**Expression**
Existence	Co-existence	Universal Human Order
Human Being	Realisation	Evidence, Authentication
In Mutual relationship	Love, Compassion	Undivided Society

संक्षेप

स्तर	संबंध	विस्तार
4b. अस्तित्व	सह–अस्तित्व	व्यावक में संपृक्त इकाइयां
4a. प्रकृति	परस्पर पूरकता	चार अवस्थाओं में
3. समाज	समाधान, समृद्धि, अभय (विश्वास), सह–अस्तित्व	मानव–प्रकृति समग्र संबंध, प्रकृतिक नियम मानवीय व्यवस्था के पाँच आयाम दस सोपान
2. परिवार	सह–अस्तित्व का भाव विश्वास,सम्मान... प्रेम	मानव–मानव संबंध न्याय
1b. मानव	मैं और शरीर का सह–अस्तित्व	मैं में संयम शरीर में स्वास्थ्य
1a. मैं	निरंतर सुख = सुख, शान्ति, सन्तोष,आनन्द	सह–अस्तित्व का अनुभव व्यवस्था का बोध, व्यवस्था में भागीदारी का चिन्तन – इसके अर्थ में इच्छा निश्चित होना। संबंध, व्यवस्था का विचार, व्यव्हार, कार्य, व्यवस्था में भागीदारी

हम देख सकते हैं ....

सुख इस बात का सूचक है कि

1. हमने व्यवस्था को ठीक–ठीक समझा है
2. हम व्यवस्थापूर्वक जी रहे हैं

} सभी 4 स्तर पर

दुख इस बात का सूचक है कि हमारा प्रयास इस अर्थ में नहीं है कि

1. हम व्यवस्था को ठीक–ठीक समझ सकें
2. हम व्यवस्थापूर्वक जी सकें

} सभी स्तर पर
1, 2, 3, 4

हमारा प्रयास इस अर्थ में है कि

1. हम व्यवस्था को ठीक–ठीक समझा सकें
2. हम व्यवस्थापूर्वक जी सकें

} सभी 4 स्तर पर
1. स्वयं में, व्यक्ति के स्तर पर
2. परिवार में
3. समाज में
4. प्रकृति/अस्तित्व में

यही अस्तित्व में हमारी भागीदारी है .....

हमारी भागीदारी (मानव के लिए कार्यक्रम)

1. सहअस्तित्व को समझना

1.1 सहअस्तित्व को समझना	**ज्ञान**
1.2 सहअस्तित्व पूर्वक भाव एवं विचार	**समाधान**

2 सहअस्तित्व पूर्वक जीना

2.1 मानव के साथ संबंधपूर्वक जीना –परिवार से विश्व परिवार तक	**अखण्ड समाज**
2.2 प्रकृति समग्र के साथा व्यवस्थापूर्वक जीना –परिवार व्यवस्था से विश्व परिवार व्यवस्था तक	**सार्वभौम व्यवस्था**

कार्यक्रम / योजना

योजना (व्यक्ति के स्तर पर)

व्यवस्था को समझना,
व्यवस्था में जीना

चारों स्तर पर

1. व्यक्ति
2. परिवार
3. समाज
4. प्रकृति / अस्तित्व

1. **अध्ययन** – सही समझना – स्वयं के अधिकार पर, जाँच कर
   (सहज स्वीकृति के आधार पर)
   – सही भाव, विचार
   – सही व्यवहार, कार्य, व्यवस्था में भागीदारी

साधना

2. **जागरूकता** – अपनी इच्छा, विचार, आशा... के प्रति – **हर क्षण**

3. **मूल्यांकन** – अपनी सहज स्वीकृति (न्याय, धर्म, सत्य) के आधार पर

तप

कार्यक्रम– व्यक्ति, परिवार, समाज के स्तर पर

Human Target (मानव लक्ष्य)

.—स्वयं में जाँच–परख, समाधान, सजगता

.–हुनर तकनीकी सीखना
.–योग्यता का विकास

.– स्व अध्ययन

↓

समाधान (सही समझ एवं भाव)
–जीने के हर स्तर पर

.–परिवार की सुविधा की आवश्यकता की पहचान
.आवश्यकता से अधिक उत्पादन की सुनिश्चितता

.–शिक्षा–संस्कार

.–परिवार–बैठक

↓

समृद्धि
आवश्यकता से अधिक की उपलब्धि का भाव

.–न्याय
.मानव–मानव संबंध में

.–व्यवस्था में भागीदारी
.कम से कम 5 में से किसी एक स्तर पर

.–व्यवस्था–बैठक

↓

अभय (विश्वास)
–दूसरा मेरे सुख,समृद्धि के अर्थ में है, इस बात की स्पष्टता एवं आश्वस्ति

.सुविधा का सदुपयोग
संरक्षण, संवर्द्धन

↓

सहअस्तित्व
–अस्तित्व सहअस्तित्वपूर्वक है, इस बात की स्पष्टता एवं आश्वस्ति

मान्यता/भ्रम–शासन के लिए क्रियाकलाप

संवेदना एवं दूसरे पर शासन

कामोन्माद,
भोगोन्माद,
लाभोन्माद

↓

विरोध, दीनता, हीनता, क्रूरता

असीमित सुविधा/धन की इच्छा

शोषण पूर्वक सुविधा/धन संग्रह

मान्यता का पीढ़ी दर पीढ़ी आरोपण

↓

दरिद्रता– आवश्यकता से कम सुविधा/धन होने का भाव

दूसरे परिवार/समाज से अपेक्षा –शोषण, शासन, भ्रम –स्वयं को दूसरों से सुरक्षित करने का प्रयास

↓

भय (दूसरे मनुष्य से) अमानवीय व्यवस्था

संवेदना एवं शासन हेतु सुविधा का प्रयोग गैरजिम्मेदारीपूर्वक सुविधा का दुरूपयोग –प्रकृति पर विजय

↓

संसाधन अभाव प्रदूषण

यह आपकी जिंदगी में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है।

इसे स्वयं में स्थिर होने दें। दूसरो को समझाने का प्रयास न करें।

अपनी मान्यताओं को सजग रहकर देखें एवं सहज स्वीकृति के आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

सलाह

1. हर 6 महीने में एक कार्यशाला में जरूर भाग लें।
2. उपलब्ध पुस्तकों को पढ़ें।
3. साप्ताहिक गोष्ठी में भाग लें – चर्चा, किसी विषय–वस्तु पर वार्ता

Contacts

IIIT Hyderabad	
Surya Bhagawan	99480 10253, humanvalues@iiit.ac.in
GBTU	
Bhanu Pratap Singh	98894 98839, pratap_cse@rediffmail.com
MTU	
Sateesh Awasthi	98680 10352, hvpemtu@gmail.com
PTU	
Jagmeet Bawa	94780 98071, ptuehv@gmail.com
Jitender Narula	94780 98082, ptuehv@gmail.com
RUB	
Director, Lhato Jamba	+975 1764 5167, jamba_g@hotmail.com
HPTU	
Parminder Singh Gill	94184 54496, doshptu@gmail.com
Galgotias Univ	
Kumar Sambhav	83758 43108, kumar.sambhav@galgotiasuniversity.com
Rajul Asthana	98490 94285, rajul.asthana@yahoo.com
Shyam Kumar	94503 42998, shyamk@iitk.ac.in

Teacher's Orientation Program (8-Day Workshop)

13-20 April	GCBS Gedu, Bhutan (RUB)	English
3-10 Jun	IIT Kanpur (MTU & GBTU)	Hindi
22-29 Jun	IIIT Hyderabad JV	English
8-15 July	IIT Kanpur (MTU & GBTU)	Hindi
18-25 July	Himachal (HPTU & PTU)	Hindi
11-18 Dec	IIT Kanpur (MTU & GBTU)	Hindi
21-28 Dec	IIIT Hyderabad JV	English
16-23 Jan 2014	IIT Kanpur (MTU & GBTU)	English